http://krishipravahika.vitalbiotech.org/

कृषि प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका

e-ISSN: 2583 – 0430

कृषि-प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका, (2024) वर्ष 4, अंक 7, 1-2

Article ID: 375

सर्दियों के मौसम में पशुओं की उचित देखभालः गर्म कपड़ों व संतुलित आहार से करें सुरक्षित रख-रखाव

डॉ. रमाकांत[1], डॉ. अरबिन्द सिंह[1], डॉ. अमित कुमार वर्मा[1], डॉ. अजीत कुमार सिंह[1], डॉ. देशदीपक[1], डॉ. विष्णु कुमार राय[1], डॉ. राजपाल दिवाकर[2]

[1]पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौधोगिक विश्वविधालय मोदीपुरम, मेरठ

[2]पशु माइक्रोबायलोजी विभाग आचार्य नरेन्द्र देव कषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविध्यालय, कुमारगंज, अयोध्या, उ0प्र0 224229

सर्दी के मौसम में जन जीवन अस्त–व्यस्त हो जाता है और इसका असर मनुष्य के साथ–साथ पशुओं पर भी पड़ता है। सर्दी के मौसम में पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुपालकों को उचित उपाय करना चाहिए। उचित व्यवस्था के न होने से पशु के स्वास्थ्य और उसकी उत्पादन क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। पशुओं को सीधी सर्द हवा के प्रभाव से बचाना चाहिए अन्यथा पशुओं को सर्दी लगने से निमोनिया एवं कुछ पशुओं में दस्त लगने की सम्भावना रहती है। नवजात पशुओं में वयस्क पशुओं की तुलना में सर्दी लगने की संभावना ज्यादा होती है, अतः सर्दी के दिनों में नवजात पशुओं की विशेष देखभाल करने की आवश्यकता होती है।

पशुओं में सर्दी लगने के लक्षणः

1. सर्दी लगने के कारण पशु सुस्त हो जाता है।
2. पशु के शरीर में कपकपी होने लगती है।
3. पशु की आंख व नाक से पानी आना शुरू हो जाता है।
4. पशु जुगाली करना कम या बंद कर देता है।
5. पशु की भूख भी कम हो जाती है।
6. पशु पानी भी कम पीता है या बिलकुल छोड़ देता है।
7. दूध देने वाले पशुओं में दुग्ध उत्पादन कम हो जाता है।
8. पशु के शरीर का तापमान भी कम हो जाता है।
9. सर्दी लगने के बाद पशु का गोबर भी पतला हो जाता है।
10. पशु को खांसी के साथ साथ न्यूमोनिया भी हो जाती है।
11. सर्दी लगने के कारण कभी–कभी पशु बैठ जाता है जिससे उसको खड़ा होने में परेशानी होती है।

पशुओं को सर्दी से कैसे बचायेः

पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए निम्न तरीका अपनाना चाहिए–

1. सर्दी के मौसम में पशुपालकों को पशु के आवास पर बिशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। सर्दी के मौसम में बाहर का तापमान पशुशाला के अंदर के तापमान से काफी कम होता है इसलिए पशुशाला का तापमान बनाये रखने के लिए रात के समय पशुशाला के खिड़की और दरवाजों को बंद कर देना चाहिए और साथ ही साथ अन्य खुले स्थान पर जूट की बोरी या टाट की पट्टी लटका देनी चाहिए जिससे पशुशाला का तापमान सामान्य रह सके।
2. पशुपालकों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि पशुओं के मूत्र व गोबर से अमोनिया गैस निकलती है इसलिए पशुशाला में मूत्र व गोबर की निकासी की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए।
3. पशुशाला में पशुओं की बिछाबन जैसेकि सूखी पुराली या भूसा डाल देना चाहिए जिससे पशुओं को ठंड न लग सके और साथ ही साथ गीली न हो इसका उचित प्रबंध करना चाहिए। प्रत्येक सप्ताह बिछाबन को बदल देना चाहिए अन्यथा पशुओं में खुजली व बीमारी होने की संभावना बढ़ जाती है एवं इसके साथ ही साथ फर्श की ढलान को नाली की तरफ रखना चाहिए जिससे पशु का पेशाब व गोबर नाली में जा सके।
4. सर्दी के मौसम में पशुओं की रहने वाली जगह को अच्छी तरह से साफ–सुथरा एवं फर्श की सतह को सुखा रखना चाहिए जिससे पशुओं को ठंड न लग सके।
5. सर्दी के मौसम में पशुओं की त्वचा शुष्क हो जाती है इसके लिए पशुओं को ताजे पानी से निहलाने के बाद हल्के गर्म सरसों के तेल को पशुओं की त्वचा पर लगाना चाहिए।
6. दिन में धूप निकलने पर ही पशु को पशुशाला से बाहर बांधे या चरने के लिए छोडें। सूर्य के प्रकाश से पशु के शरीर को गर्माहट मिलती है एवं इसके अलावा पशु के रहने की जगह का फर्श भी थोड़ा सूख जाता है।

7. पशुओं को स्वच्छ ताजा या गुनगुना पानी ही पीने के लिए देना चाहिए इसके साथ ही साथ पशु को रोजाना 50 ग्राम नमक पानी में घोलकर देना भी आवश्यक है।
8. पशु की आवश्यकता के अनुसार ही पशु को संतुलित आहार देना चाहिए और इसके साथ ही साथ पशु को उचित मात्रा में हरे और सुखे चारे के साथ–साथ रोजाना 50 ग्राम खनिज लवण का मिश्रण भी देना आवश्यक है।
9. पशु को अधिक ऊर्जा देने वाले पदार्थ जैसे गुड, बाजरा व गेंहूँ का दलिया आदि को पानी में उबालकर पशु के आहार के साथ देना चाहिए। इस तरह का आहार पशुओं के लिए बहुत लाभदायक होता है और यह पशु को स्वस्थ व उसका उत्पादन बनाये रखने में मदद करता है।
10. सर्दी के मौसम में पशुओं को रात के समय में सूखा चारा ज्यादा देना लाभकारी होता है जोकि पशु के शरीर का तापमान नियंत्रित करने में मदद करता है।
11. सर्दी के दिनों में पशु को खुली जगह में नहीं रखना चाहिए क्योंकि खुली जगह में रहने से पशु को ठंड लगने की संभावना ज्यादा रहती है जिससे पशु के स्वास्थ्य व उत्पादन पर असर पड़ता है।
12. दूध देने बाले पशुओं के दूध में बसा की मात्रा को बढ़ाने के लिए पशु के आहार में बिनौला देना चाहिए।
13. ज्यादा सर्दी होने पर पशुओं को खासकर नवजात पशुओं को रात में जूट की बोरी को पहना देना चाहिए एवं दिन के समय में जूट की बोरी को पशु के शरीर से उतार देना चाहिए।
14. रात के समय पशु के आवास गृह में अलाव जलाकर पशु के शरीर को गर्म करने के लिए उचित प्रबंध करना चाहिए। अलाव जलाते समय इस बात का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है कि पशु के आवास गृह में कहीं भी आग ना लग जाए अन्यथा पशुशाला व पशुओं को क्षति हो सकती है।
15. सर्दी के मौसम में पशुओं को हरा चारा कम ही देना चाहिए अन्यथा अफारा होने की सम्भावना बनी रहती है।
16. सर्दी के दिनों में पशुओं को ज्यादा ठंडा पानी पीने के लिए नहीं देना चाहिए क्योंकि इससे पशुओं मे अपच हो जाती है।